

हरिभूमि लाइव

बिलासपुर, शनिवार 10 मई 2025

Email id- haribhoomibsp@gmail.com

Whats App - 6263190692, 8305922255



वैकेंसी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में विभिन्न पदों की होगी भर्ती, 21 तक आवेदन

बिलासपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय बलरामपुर के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में विभिन्न पदों की पूर्ति के लिए 21 मई 2025 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके अंतर्गत चिकित्सा अधिकारी पुरुष, फिजियोथेरापिस्ट, प्रोग्राम एसोसिएट, डेंटल सर्जन, ऑडियोलॉजिस्ट, ऑर्थोडॉन्टिस्ट, लैब सुपरवाइजर, एसटीएस, फार्मासिस्ट, टेक्निकल असिस्टेंट हियरिंग इम्पेयर्ड चिल्ड्रन, लैब टेक्नीशियन एनएचएम, लैब टेक्नीशियन बीपीएचयू, सचिविक सहायक,



कनिष्ठ सचिविक सहायक, फीडिंग डेमोस्ट्रेटर, काउंसलर एवं अटेंडेंट के नवीन एवं बैकलॉग पदों पर संविदा भर्ती की जानी है। इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में 21 मई 2025 शाम 05 बजे तक स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से जमा कर सकते हैं। उक्त संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए जिले के वेबसाइट एवं कार्यालय के सूचना पटल का अवलोकन किया जा सकता है।

कार्यक्रम

महर्षि स्कूल में चेतना-आधारित शिक्षा पर दिया गया प्रशिक्षण



बिलासपुर। महर्षि विद्या मंदिर मंगला में महर्षि चेतना-आधारित शिक्षा पाठ्यक्रम-1 तथा इन हाउस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें बिलासपुर, रायगढ़ और प्रतापपुर की कई शाखाओं से शिक्षक शामिल हुए। यह प्रशिक्षण 25 अप्रैल से 1 मई तक 6 दिनों तक चला। सभी का स्वागत प्राचार्या रीना सिंह ने किया। मुख्य अतिथि भुवनेश शर्मा ने व अतिथि निदेशक सीपीआर महर्षि विद्या मंदिर वीआर खरे ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि रीता प्रकाशम ने बताया कि एमसीबीई पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण पहलुओं को भी उजागर करेगा। अतिरिक्त विशिष्ट अतिथि आर्या नंदकुमार ने शिक्षकों को महर्षि विश्व शांति आंदोलन में सक्रिय भागीदारी करने प्रेरित किया। प्राचार्या वैशाली वैद्य ने प्रशिक्षण को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्राचार्या रीना सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। पूरे प्रशिक्षण में शिक्षकों ने महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रशिक्षण आनंदमय वातावरण में प्राप्त किया। अतिथि डॉ जीए घनश्याम की उपस्थिति रही। प्राचार्या रीना सिंह ने स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। विजय ने प्रशिक्षण को आवश्यक बताते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर प्रकाश डाला। घनश्याम ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के संबंध पर अपने विचार व्यक्त किए। सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कार्यशाला

आईसीएआई शाखा ने किया सेमिनार का आयोजन



बिलासपुर। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की शाखा द्वारा आईसीएआई भवन में रीना एवं रियल एस्टेट क्षेत्र पर जीएसटी के प्रभाव विषय पर एक अर्ध-दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को रीना अधिनियम एवं जीएसटी के अद्यतन प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। सेमिनार में विशेषज्ञ वक्ता सीए अशोक गौतम एवं सीए प्रखर बंसल द्वारा रीना के अनुपालन, जीएसटी के व्यावहारिक पहलुओं एवं रियल एस्टेट सेक्टर में उत्पन्न हो रही चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सीए मनीष सखुजा सहित अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही। सेमिनार का समापन प्रश्नोत्तर सत्र एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। आईसीएआई बिलासपुर शाखा निरंतर ऐसे ज्ञानवर्धक आयोजनों के माध्यम से सदस्यों के पेशेवर विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

जीवधर्मी फाउंडेशन ने कराया खेल कार्यक्रम आओ संवारे कल अपना



बिलासपुर। विगत 20 दिनों से पुलिस का जागरूकता कार्यक्रम चेतना अंतर्गत महमंद शासकीय स्कूल प्रांगण में कैप चलाया जा रहा है, जिसका विधिवत उद्घाटन पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा किया गया था। जीवधर्मी फाउंडेशन चेतना अभियान में सहभागी संस्था है। जिसके द्वारा लड़कियों के खेल-खेल का फाइनल मैच कराया गया, जिसमें 22 विजयी प्रतिभागियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सहायक राम गोपाल करियार के हाथों खिलाड़ियों को पुरस्कार भेंट किया गया। बच्चों और युवाओं को मोबाइल तथा नशे की लत से दूर रखने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है जिसमें महमंद गाम के 200 बच्चे इस खेल कार्यक्रम में रजिस्टर्ड किए गए हैं।

समर में बच्चे स्वीमिंग, पेंटिंग, डांसिंग व स्कैचिंग की सीख रहे कला

6 गर्मी की छुट्टी का सदुपयोग करने अभिभावकों के साथ बच्चे भी उत्साहित हैं। समर में बच्चों नया आर्ट सीखें इसके लिए पैरेंट्स बच्चों को सुबह-शाम की पालियों में क्लासेस भेज रहे हैं।



क्लासिकल नृत्य से बच्चों में बढ़ रहा धैर्य

नित्यधारा एकेडमी की डायरेक्टर आंनल पाण्डेय ने बताया कि डिजिटल समय जब सब कुछ तुरंत हो जा रहा है, तो बच्चों के अंदर धैर्य बिल्कुल भी नहीं है। तो पैरेंट्स बच्चों के अंदर धैर्य का मूल्य लाने के लिए क्लासिकल नृत्य सीखा रहे हैं, इससे बच्चों में एकाग्रता भी बढ़ती है। इसके साथ बच्चे वेस्टर्न, कथक, फोक डांस भी सीख रहे हैं।

कला को निखारने अभ्यास जरूरी

प्रोफेसर आर के स्वामी ने बताया कि कला कोई भी हो जब तक निखरने नहीं तब तक उसमें परांगत नहीं हो सकते हैं। कला को सीखने बच्चे जल्द खाली समय में जाकर सीख जाते हैं, अगर अभ्यास ना होने से वे भूल जाते हैं। अभिभावकों जिस उत्साह से गर्मी में सीखाते हैं, उसी उत्साह से उनकी कला में निखार लाने निरन्तर अभ्यास भी कराएंगे तो वे निश्चित ही उन विधाओं में परांगत हो जाएंगे।

अभिभावकों में भी बेहद उत्साह, सुबह-शाम पालियों में चल रही क्लासेस

हरिभूमि न्यूज | बिलासपुर

वर्तमान समय में बच्चे नए-नए चीजों को जानने और सीखने की इच्छा रखते हैं। यही वजह है कि गर्मी की छुट्टियों में वे नई कलाओं में परांगत हो रहे हैं। स्कूली बच्चों का इस समय समर वकेशन चल रहा है। खाली समय में बच्चे नया आर्ट सीखने शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में जाकर स्वीमिंग, पेंटिंग, डांसिंग व स्कैचिंग करने की कला सीख रहे हैं। इंडिया डांस एकेडमी के डायरेक्टर अनिरुद्ध बाकरे ने बताया कि हर वर्ष समर के

दौरान बच्चों के लिए एक्स्ट्रा क्लास लगाई जाती है, जिसमें सिर्फ स्कूली बच्चों को डेढ़ माह में नृत्य की कई विधाओं को सीखते हैं। इसी तरह गर्मी में शरीर को ठंडा रखने बड़े से लेकर बच्चों में स्विमिंग का क्रेज रहता है। शहर के स्वीमिंग पुलों पर सुबह-शाम छपाक-छपाक करते बच्चे खूब आनंदित हो रहे हैं। रेलवे के स्वीमिंग प्रशिक्षक हेमंत परिहार ने बताया कि गर्मी में बच्चों से पुल सराबोर रहता है। सभी पालियों में सिर्फ बच्चे ही रहते हैं, इनके लिए खासतौर पर रिजर्व समय इन दो महिनो के लिए रखा जाता है।



स्कैचिंग, पेंटिंग व रंगोली आर्ट की पहचान

आर्टिस्ट दिव्या कश्यप ने बताया कि नृत्य तो हर कला से कुछ ना कुछ सीखने को मिलता है, अगर स्कैचिंग, पेंटिंग व रंगोली ऐसा आर्ट है, जिसे सीखकर कई कला में परांगत हो सकते हैं। गर्मी में बच्चे स्कैचिंग, पेंटिंग सीख रहे हैं। उनके लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही क्लासेस चल रही हैं। लड़कियों में अधिकांश रंगोली सीखने का शौक है, इसके लिए रंगोली की एक्सट्रा क्लासेस चल रही है।

कराते से बच्चे सीख रहे आत्मरक्षा के गुण

ट्रेनर आकाश सिंह ने बताया की आजकल डिजिटल दौर में फिजिकली एक्टिविटी कम हो गई है। ऐसे में कराते फिजिकली एक्टिविटी को बढ़ता ही है, इसके अलावा बच्चों में आत्मरक्षा के गुण भी सीखते हैं। कराते में बच्चे अंतराष्ट्रीयस्तर पर परचम लहरा रहे हैं। यह कला बचपन से ही बच्चे सीखें तो उनमें शारीरिक क्षमता बढ़ जाती है।

छठवें दिन मां दुर्गा के स्वरूप में माता की पूजा, महाप्रसाद का किया गया वितरण



300 सुहागिन महिलाओं ने की सांस्कृतिक कुमकुम पूजा

रेल्वे परिक्षेत्र के बालाजी एवं राम मंदिर के नारायण पंडित के द्वारा दक्षिण भारतीय पद्धति में विधि-विधान से किया गया। कुमकुम पूजा के बाद सभी सुहागिन महिलाओं को मुख्य अतिथि महापौर पूजा विधानी के द्वारा फलदान दिलाया गया। सुहागिन महिलाएं माताजी से अपना सुहाग की रक्षा एवं परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति ने पूजा किए सभी सुहागिन महिलाओं और परिवार के सदस्यों के लिए महाप्रसाद भोजन वितरण किया। महाकुंभ पूजा, अर्चना एवं आरती के बाद महाकुंभ पूजा में आप हूए सभी श्रद्धालु महाप्रसाद भोजन अन्नदान वहरण करते हैं। इस महाकुंभ पूजा के लिए कई श्रद्धालु राशन सामग्री दे रहे हैं। किसी भक्तजन को इस महाकुंभ पूजा हेतु सामग्री देना चाहते हैं तो डोनेशन काउण्टर में जमा करवा सकते हैं।

बिलासपुर। शुक्रवार की शाम दुर्गा माताजी का स्वरूप बनाया गया है। शाम 8 बजे विधि-विधान से पूजा, अर्चना एवं आरती किया गया है। शनिवार के शाम को काली माताजी के स्वरूप का दर्शन होगा। शनिवार के दिन पूजा उत्सव का शाम का दर्शन का अंतिम दिन होगा। शाम को पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है, जिसमें अधिकांश महिलायें रहती हैं। पूजा उत्सव के अध्यक्ष विजय सिंह एवं सचिव मनोहर राव ने बताया है कि शाम को दुर्गा माताजी के स्वरूप का पूजा, अर्चना एवं आरती किया गया है। माताजी के चेहरे के आकृति को बनाने के लिए खड़गपुर से लाये



मिट्टी के घड़े में गीले हल्दी के लेप को चढ़ाया जाता है। खड़गपुर से आये मुख्य पुजारी माताजी के आकर्षण रूप देते हैं। रविवार को

सुबह 10 बजे महाकुंभ पूजा किया जाएगा। महाकुंभ पूजा का मुख्य विशेषता ये है कि माताजी के स्थापना के बाद माताजी के लिए

जो भोग सुबह शाम लगता है, इसमें कुछ कमी नहीं हो जाय उस कमी की पूर्ति के लिए महाकुंभ पूजा किया जाता है। महाकुंभ पूजा के लिए 21 प्रकार का पकवान बनाया जाता है और लगभग 5 किंवदंत चवल, सांभर, सब्जी एवं अन्य सामग्री का पकवान बनाकर माताजी के सामने अर्पित किया जाता है। यह भव्य पूजा उत्सव को सफल करने के प्रकाश यादव, बी ईश्वर राव, जे गोवर्धन राव, बी श्रीराममूर्ति, कोटा रामाराव, पी डी राव, ए कृष्ण राव, जी श्रीनिवास राव, के राव, डॉ. अजय सिंह, संदीप दास, जगन्नाथ राजू, व्ही मधुसूदन राव, सुमन गुहा, सुनील उपाध्याय भूमिका निभा रहे हैं।

रोजाना सीधे धूप झेलने की वजह से सूख जाते हैं पौधे

पौधों को झुलसने से बचाने गार्डन में लगाए जा रहे ग्रीन नेट

बिलासपुर। मई महीने की शुरुआत से गर्मी अपने चरम पर है। तेज धूप की तपन तो अब मनुष्य नहीं सह पा रहा है। ऐसी झुलसा देने वाले तेज धूप में छोटे पौधों को भी सीधे धूप सहना पड़ता है। सूरज की तेज किरणें पानी को सोख लेती हैं, जिससे पौधे मुरझा जाते हैं। यदि ऐसे समय में इनकी देखभाल नहीं की गई और इन्हें पानी नहीं मिला तो पौधे मर भी जाते हैं, लेकिन अब तेज धूप से इन पौधों को बचाने के लिए बाजार में ग्रीन नेट का विकल्प आ चुका है, जिसे प्रकृति प्रेमी घर के टेरेस गार्डन में लगा रहे हैं, ताकि पौधे तेज धूप में बच सकें और छाया में रहें तथा अच्छे से फलते-फूलते रहें।

वर्तमान में ग्रीन नेट की मांग भी बाजार में काफी बढ़ गई है। रोजाना सीधे धूप झेलने की वजह से पौधे पूरी तरह से सूख जाते हैं और फिर से इसमें हरियाली आना संभव नहीं हो पाता है।

घरों और टेरेस गार्डन में बढ़ा इस्तेमाल

कारनर न्यूज

गर्मी तेज होने से अब घरों के आंगन में बने गार्डन के साथ ही टेरेस गार्डन में ग्रीन नेट का इस्तेमाल बढ़ गया है। एक्सपर्ट के मुताबिक ग्रीन नेट लगाने के बाद धूप पौधों में छनकर पहुंचती है और इससे उनमें आवश्यक छाया भी बनी रहती है। इसके साथ ही पौधों को गर्मी में भी पनपने के लिए सही वातावरण मिलता है और भीषण गर्मी में भी ये पौधे खूब फलने-फूलने लगते हैं।



पौधों को मिलती है राहत

दुकानदार शेखर वर्मा का कहना है कि ग्रीन नेट का एक बड़ा फायदा ये है कि इसे लगाने से जितने स्थान तक उसकी छाया पहुंचती है, वहां का तापमान कम से कम पांच डिग्री तक कम हो जाता है, जो इस भीषण गर्मी में राहत देता है। साफ है कि यह पौधों के लिए सजीवनी साबित होती है, क्योंकि यह पानी के रूप में पड़ी नमी को भी सोखने नहीं देता है और इस नमी को पानी के रूप में पौधे लेते हैं और तेज गर्मी से बचते हैं। जिन घरों में गार्डन या ज्यादा पौधे नहीं हैं, फिर भी वे ग्रीन नेट का सहारा लेते हैं। खासतौर से ऐसे घर, जहां पर दिनभर सीधे धूप पड़ती है, उनके घर के अंदर का तापमान बढ़ जाता है। ऐसे स्थिति में ग्रीन नेट लगाने पर तापमान में कमी आ जाती है और रहवासियों को राहत मिलती है।

पांच डिग्री तक कम हो रहा तापमान



